डा॰ छाया चौबे
एम॰ वी॰ कॉलेज, बक्सर

पी॰ जी॰ — 01

CC— 07 संस्कृत साहित्य का इतिहास

कालिदास

ज्योतिर्विदाभरण ग्रन्थ के आधार पर विक्रमादित्य के नौ रत्न में एक थे। मेघदूत से ज्ञात होता है ये उज्जैन निवासी थे।

समय — चौथी शताब्दी

स्थान — उज्जैन

लघुत्रयी (महाकाव्य) — मेघदूत, कुमारसंभव, रघुवंशम् ।

प्रमुख रस — श्रृंगार

गीतिकाव्य — ऋतुसंहार

विधा	अंक	उपजीव्य	विशेषता
गीतिकाव्य	6 सर्ग	कवि कल्पित	6 ऋतुओं का वर्णन ।

मेघदूत

विधा	अंक	रस	उपजीव्य	विशेषता
खण्डकाव्य	2 खण्ड	श्रृंगार	रामायण, ब्रह्मवैवर्त पुराण	दूतकाव्य के रूप में गेय काव्य है ।
प्रमुख पात्र	यक्ष, मेघ कुबेर			

विक्रमोर्वशीयम्

विधा	अंक	प्रधान रस	प्रमुख पात्र	उपजीव्य
त्रोटक (नाटक)	5 अंक	शृंगार	उर्वशी, पुरुरवा, इन्द्र, कुबेर, भरतमुनि, नारद	ऋग्वेद महाभारत

विशेषता
गर्भ नाटक की योजना व वियोग शृंगार का बाहुल्य

मालविकाग्निमित्रम् (नाटक)

विधा	अंक	रस	उपजीव्य	प्र० पात्र	विशेषता
नाटक	5 अंक	प्रधान शृंगार रस	ऐतिहास प्रसिद्ध	मालविका, अग्निमित्र, माधवसेन इरावती।	कथावस्तु की दृष्टि से नाटिका।

अभिज्ञान शाकुन्तलम् (नाटक)

विधा	अंक	प्र० रस	उपजीव्य	प्रमुख पात्र	विशेषता
नाटक	7 अंक	शृंगार	पद्मपुराण पर आधारित	दुष्यन्त, शकुन्तला, अनुसूया, प्रियम्वदा, दुर्वासा मेनका, गौतमी	कालिदास का सर्वश्रेष्ठ नाटक

भास

ये कालिदास के पूर्ववर्ती थे इन्हें नाट्यकार के रूप में मान्यता देते हुए 'मालविकाग्निमित्रम्' नाटक में कालिदास "प्रथितयशसां भास सौमिल्ल:" के रूप में स्मरण किया है।

नाट्य रचनाएँ

उदयन कथा मूलक — 1. प्रतिज्ञायौगन्धरायण
2. स्वप्नवासवदत्तम्

महाभारत कथा मूलक — 1. उरुभंग
2. कर्णभार
3. पंचरात्र
4. दूतवाक्य
5. बालचरित्र
6. दूत घटोत्कच
7. मध्यमव्यायोग

रामायण कथा मूलक — 1. प्रतिमानाटक
2. अभिषेक नाटक

कल्पना आधारित — अविमारक, चारुदत्त।

स्वप्नवासवदत्तम्

विधा	अंक	प्रधान रस	प्रमुख पात्र	उपजीव्य
नाटक	6 अंक	शृंगार	उदयन, वासवदत्ता, यौगन्धरायण, पद्मावती, वसुन्धरा, अवन्तिका	इतिहास प्रसिद्ध

विशेषता — नान्दी का विशेष योजना का अभाव।

प्रतिमानाटक

विधा	अंक	विशेषताये
नाटक	7	रामवनगमन से अयोध्यावनगमन की कथा।

अभिषेक नाटक

विधा	अंक	उपजीव्य	विशेषता
नाटक	6	वाल्मीकि रामायण	किष्किन्धाकाण्ड से युद्धकाण्ड तक की कथा।

प्रतिज्ञायौगन्धरायण

विधा	अंक	उपजीव्य
नाटक	4 अंक	यौगन्धरायण

स्वप्नवासवदत्तम्

विधा	अंक	प्रधान रस	प्रमुख पात्र	उपजीव्य
नाटक	6 अंक	शृंगार	उदयन, वासवदत्ता, यौगन्धरायण, पद्मावती, वसुन्धरा, अवन्तिका	इतिहास प्रसिद्ध

विशेषता — नान्दी का विशेष योजना का अभाव।

प्रतिमानाटक

विधा	अंक	विशेषतायें
नाटक	7	रामवनगमन से अयोध्यावनगमन की कथा।

अभिषेक नाटक

विधा	अंक	उपजीव्य	विशेषता
नाटक	6	वाल्मीकि रामायण	किष्किन्धाकाण्ड से युद्धकाण्ड तक की कथा।

प्रतिज्ञायौगन्धरायण

विधा	अंक	उपजीव्य
नाटक	4 अंक	यौगन्धरायण

पात्र / रस - वीर

उपजीव्य - रामायण।

विशेषता - श्रीराम का महावीर रूप में चित्रण।

मालतीमाधव

विधा — प्रकरण

अंक - 10 अंक

रस - शृंगार

पात्र - मालती, माधव, कलहंस, नन्दन

प्रकरण - कवि कल्पित

विशेषता - विदूषक रहित रचना